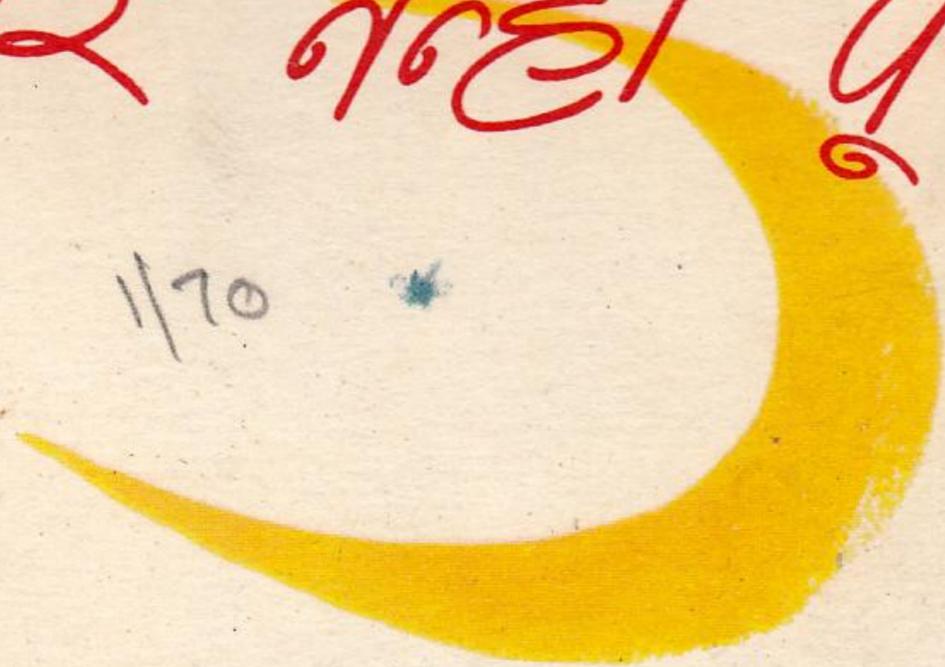


गढा माओ माओ

और गढी पुशु

1/70



विदेशी भाषा प्रकाशन-गृह
पेइचिड

बढा माओ माओ

और बढी पूँसी

सम्पादन व चित्रांकन : ली क्वोई
चचयाड जन ललितकला प्रकाशन-गृह के सौजन्य से

विदेशी भाषा प्रकाशन-गृह
पेइचिड



डाम-काशकर गणम रिईही
इलीईप

दूर गगन में,
चांद चमक रहा है ।
झिलमिलाते सितारे,
बादलों से आंखमिचौनी खेल रहे हैं ।



फूल सो चुके हैं,
पंछी डाल पर विश्राम कर रहे हैं ।





नन्ही तुडतुड
मीठी नींद ले रही है ।
घर के सभी लोग सो चुके हैं ।





लेकिन नन्ही पूसी
अभी नहीं सोई ।
नन्हा माओमाओ भी
अभी नहीं सोया ।



दोनों आंखमिचौनी खेलने लगते हैं ।
नन्ही पूसी पलंग पर जा पहुंचती है ।
नन्हा माओमाओ
पलंग के नीचे छिप जाता है ।
नन्ही पूसी कहती है : “म्याऊं !”
नन्हा माओमाओ उत्तर देता है : “म्याऊं !”



फूलों की नींद खुल जाती है,
पंछियों की नींद खुल जाती है।

वे कहते हैं :

“रात को जागने वाले बच्चे
हमें अच्छे नहीं लगते।”



तभी भोर हो जाती है ।
सूरज मुस्कराता हुआ
आसमान में पहुंच जाता है ।
हवा झरनों को छूती हुई
सर-सर बहने लगती है ।





फूल जाग जाते हैं,
पंछी जाग जाते हैं ।



नन्ही तुडतुड
खुले आसमान के नीचे कसरत करने लगती है ।
फूल झूमने लगते हैं,
पंछी गाने लगते हैं ।

जल्दी उठने वाले बच्चे,
सबको अच्छे लगते हैं।



पर नन्ही पूसी
अभी खरट्टे मार रही है ।
नन्हा मात्रोमात्रो भी
अभी सो रहा है ।



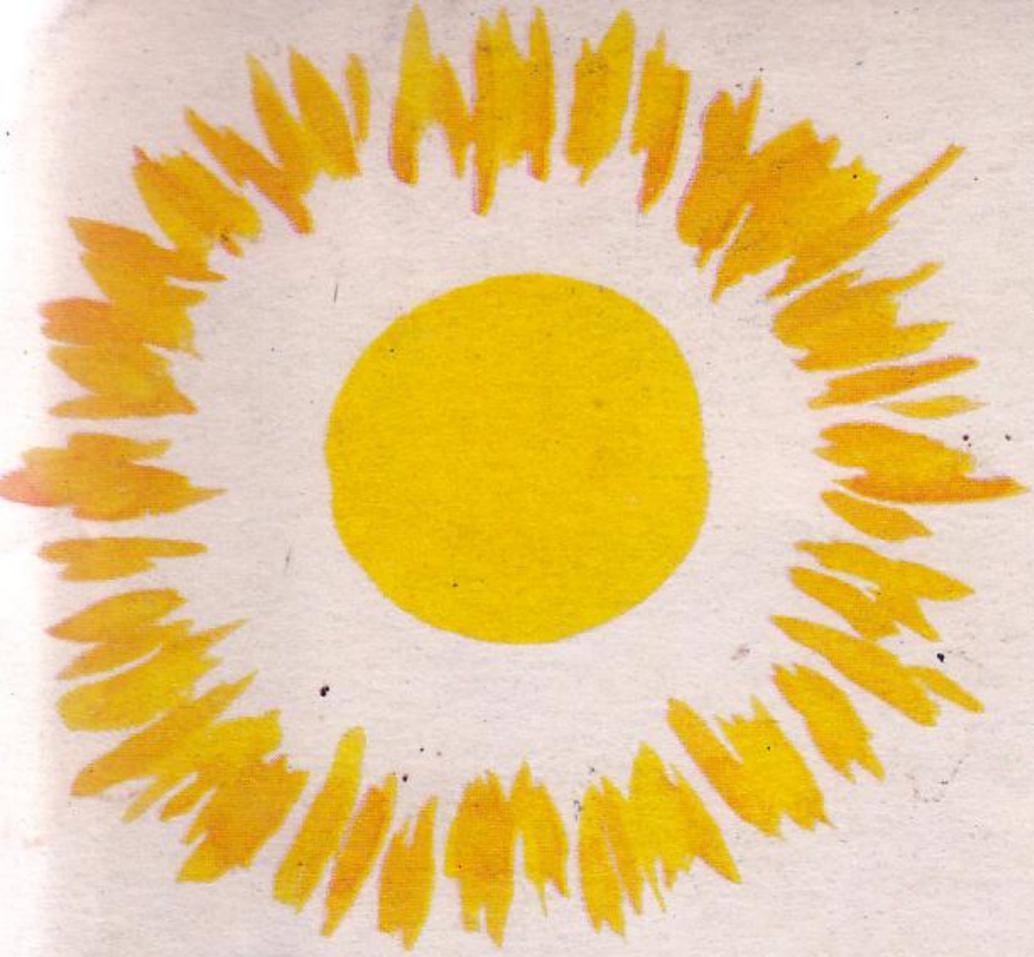


नन्ही पूसी और नन्हा माओमाओ
सुबह की ताजा हवा
नहीं ले पाते,
अध्यापिका द्वारा
कक्षा में सुनाई गई
कहानी नहीं सुन पाते ।
कितने अफसोस की बात है !



मेरे नन्हे प्यारे दोस्तो,
तुम्हें आलसी पूसी के रास्ते पर
हरगिज नहीं चलना चाहिए ।
रात को जल्दी सो जाना चाहिए,
और सुबह जल्दी उठना चाहिए ।
जल्दी सोना और जल्दी उठना
अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है !





प्रथम संस्करण १९८१

प्रकाशक : विदेशी भाषा प्रकाशन-गृह,
२४ पाएवानच्चाड मार्ग, पेइचिङ
मुद्रक : जन शिक्षा प्रकाशन-गृह मुद्रणालय, पेइचिङ
वितरक : क्वोची शूत्येन (चीनी प्रकाशन विक्रयकेन्द्र),
पो. आ. बाक्स ३६६, पेइचिङ

चीन लोक गणराज्य में मुद्रित

毛毛和猫猫
励国仪 编绘

外文出版社出版
(中国北京百万庄路24号)
人民教育出版社印刷厂印刷
中国国际书店发行
1981年(20开)第一版
编号:(印地)8050-2075
00035
88-H-187P

№ 1-70

